Written by कुमार सौवीर
Friday, 19 May 2017 10:25

: □□□□-□□□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□, □□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ : □□ □□□□□ □□ □□□□□□ □□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□□□□, □□□□□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ :

□□□□ □□□□□

□□□□□□□ : छेड़छाड़ से आजिज आकर रेवाड़ी (हरियाणा) की 30 लड़कियों ने अपने स्कूल को अपग्रेड करने के लिए पिछले 8 दिनों से अनशन किया था। पहले तो सरकार और प्रशासन ने उसे बहुत हल्के से लिया, लेकिन जैसे-जैसे उनकी भूख ने पूरे प्रदेश को सूखना शुरू किया, हरियाणा की सरकार दहल गयी। नतीजा यह हुआ कि इन नन्हीं बच्चियों के हौसलों के सामने प्रदेश सरकार ने घुटने टेक दिये। फैसला हुआ है कि अब हरियाणा सरकार की नींद टूट गयी है और सरकार ने गोठड़ा टप्पा डहीना स्कूल को इंटरमीडियट यानी कक्षा बारह तक करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। सरकारी आदेश के तहत अब इस स्‍कूल में एक प्रिंसिपल को नियुक्त कर दिया है।

दरअसल, यह किसी एक सामान्‍य और सड़कछाप आंदोलन नहीं था। बल्कि अपनी मांग और उस आंदोलन के चरित्र के मामले में यह एक अनोखा और लाजवाब संघर्ष था। लेकिन सरकार ने उसे शुरू से ही किसी सामान्‍य आंदोलन के तौर ही लिया। वही टालू-टरकाऊ आश्‍वासनों की चाटनी-चाशनी चटाने का पुराना ढर्रा। लेकिन यह बच्चियां कोई पेशेवर आंदोलनकारी नहीं थीं। वे संकल्‍प कर चुकी थीं, कि चाहे कुछ भी हो जाए। इस विद्यालय को उच्‍चीकृत करा के ही मानेंगी। कारण यह कि छोटे दर्जे की पढाई वाले इस स्‍कूल के चलते यहां आसपास कोई ठोस सुरक्षा व्‍यवस्‍था नहीं होती है। स्‍कूल के आसपास शोहदों की भीड़ लगी होती है, जिसके चलते इन बच्चियों की शिक्षा-दीक्षा भी बेहद प्रभावित होती है।

इससे पहले स्कूली शिक्षा मंत्री रामविलास शर्मा के आश्वासन पर लड़कियों ने अपना अनशन तोड़ने से इनकार कर दिया था। तबीयत खराब होने के बावजूद ये लड़कियां अपनी मांग पर अड़ी रही और अंतत: सरकार को झुकना ही पड़ा। ये नई सदी की वो लड़कियां है, जो अपने हक के लिए लड़ना जानती है। शिक्षा की ज्योति जगाने के लिए अग्रसर इन लड़कियों को सौ-सौ बार सलाम। हरियाणा वह राज्य है जहां लड़कियों का अनुपात देश में सबसे कम है और वहां से लड़कियां अगर शिक्षा को लेकर जंग के मूड में है तो यह अपने आप में एक बहुत बड़ा बदलाव है।

(अब www.meribitiya.com की हर खबर को फौरन हासिल कीजिए अपनी फेसबुक पर। मेरी बिटिया डॉट कॉम के फेसबुक पेज पर पधारिये और LIKE पर क्लिक कीजिए)

(अपने आसपास पसरी-पसरती दलाली, अराजकता, लूट, भ्रष्टाचार, टांग-खिंचाई और किसी प्रतिभा की हत्या की साजिशें किसी भी शख्स के हृदय-मन-मस्तिष्क को विचलित कर सकती हैं। समाज में आपके आसपास होने वाली कोई भी सुखद या घटना भी मेरी बिटिया डॉट कॉम की सुर्खिया बन सकती है। चाहे वह स्त्री सशक्तीकरण से जुड़ी हो, या फिर बच्चों अथवा वृद्धों से केंद्रित हो। हर शख्स बोलना चाहता है। लेकिन अधिकांश लोगों को पता तक नहीं होता है कि उसे अपनी प्रतिक्रिया कैसी, कहां और कितनी करनी चाहिए।अब आप नि:श्चिंत हो जाइये। अब आपके पास है एक बेफिक्र रास्ता, नाम है प्रमुख न्यूज पोर्टल www.meribitiya.com। आइंदा आप अपनी सारी बातें हम www.meribitiya.com के साथ शेयर कीजिए न। ऐसी कोई घटना, हादसा, साजिश की भनक मिले, तो आप सीधे हमसे सम्पर्क कीजिए। आप नहीं चाहेंगे, तो हम आपकी पहचान छिपा लेंगे, आपका नाम-पता गुप्त रखेंगे। आप अपनी सारी बातें हमारे ईमेल kumarsauvir@gmail.com पर विस्तार से भेज दें। आप चाहें तो हमारे मोबाइल 9415302520 पर भी हमें कभी भी बेहिचक फोन कर सकते हैं।)